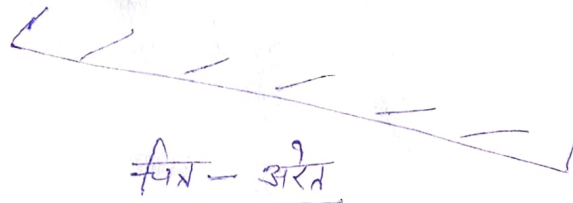


अरत या तीखा कटक (arete)

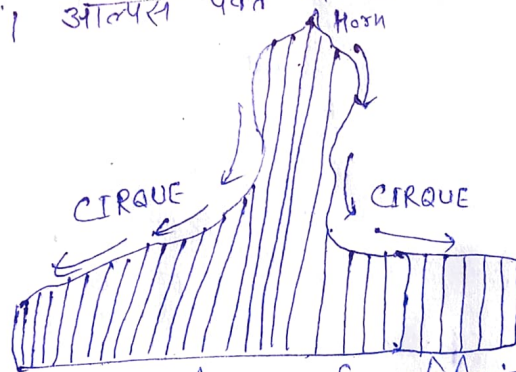
By - Dharmesh wanda

पर्वतीय भागों जब किसी पहाड़ी के दोनों ओर अर्द्धवृत्ताकार गर्त (सर्क) एक-दूसरे की ओर सरकने लगती हैं तो उनके मध्य का भाग अपरजित होकर जुकीला होने लगता है। धीरे-धीरे पूर्ण विकसित चोटी का निर्माण होता है, जिसका उपरी भाग अत्यधिक जुकीला होता है। इसका आकार कंधी या आरे (saw) के दांतों के समान होता है। इस तरह के जुकीले तीखा कटक को अरत या श्रेटी कहते हैं। श्रेटी का निर्माण प्रायः दो आसन्न सर्क के जखरे होकर पीछे हटने से माना जाता है।



हार्न या गिरिभ्रूंग (horn)

जब किसी पहाड़ी के पार्श्वों पर कई सर्क बन जाते हैं तथा निरन्तर अपघर्षण द्वारा ये पीछे हटते जाते हैं तो उनके मिल जाने पर एक पिरामिड के आकार की चोटी का निर्माण हो जाता है। इस तरह की जुकीली चोटी को हार्न या गिरिभ्रूंग कहते हैं। स्विटजरलैंड में आल्पस पर्वत पर स्थित मेटेर हार्न इसका प्रमुख उदाहरण है। जब एक पहाड़ी के दोनों ओर सर्क विकसित होकर मिल जाते हैं तो एक गड्ढा बन जाता है। इस तरह के मार्ग को कोल या हिमानी दर्रा कहते हैं। आल्पस पर्वत में हिमानी द्वारा निर्मित अनेक कोल मिलते हैं।



चित्र : हार्न या गिरिभ्रूंग (Horn)

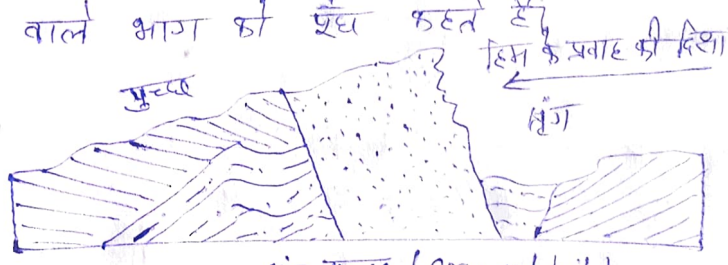
नुनाटक (nunatak)

विस्तृत हिमक्षेत्र या हिमनदों के बीच उंचे उठे टोले, जो कि पारों तरफ से हिम से घिरे होते हैं, नुनाटक कहे जाते हैं। नुनाटक, हिमक्षेत्र या हिमनद की विशाल हिमराशि के बीच बिखरे हुए द्वीप के समान माने जाते हैं। इसी कारण से नुनाटक को हिमान्तर द्वीप भी कहते हैं।

हिमनद द्वारा क्षैतिज अपरदन (lateral erosion) के फलस्वरूप तथा नुधार क्रिया (fiat action) तथा घर्षण द्वारा अपरदित होकर नुनाटक बने होते रहता है। अधिक अपरदन के बाद नुनाटक अवशेष शैल मात्र ही रह जाता है। कभी-कभी घर्षण तथा अपरदन के कारण नुनाटक धीरे-धीरे घूर्णित या किलीन हो जाता है।

शृंग पुच्छ (Crag and tail)

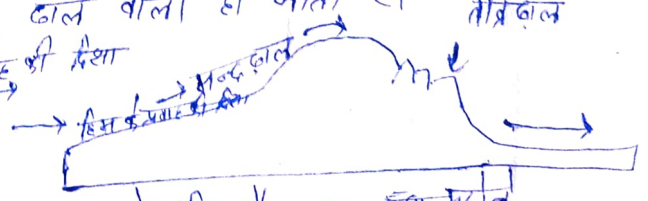
जब किसी हिम प्रभावित स्थल भाग में बैसाल्ट या ध्वालामुखी प्लग अपर गाँठ के रूप में निकला रहता है तो जिस ओर से हिमनद आता है उस ओर प्लग या बैसाल्ट के उर्ध्व भाग पर स्थित मुलायम सिट्टी या हिमनद जब बैसाल्ट के उर्ध्व भाग या प्लग को पार करके दूसरी ओर उतरने लगता है तो प्लग के साथ संलग्न दूसरी ओर की मुलायम शैल का कम अपरदन होता है, क्योंकि हिमनद द्वारा यहां पर शैल का संरक्षण प्राप्त होता है। इस कारण दूसरी ओर का ढल हल्का तथा मन्द हो जाता है। यह हल्का ढल दूर तक विस्तृत रहता है तथा देखने में बैसाल्ट की शीवा या शृंग के पीछे संलग्न एक लम्बी छेँच के समान लगता है। इस तरह बैसाल्ट या प्लग वाले उंचे भाग को शृंग तथा उसके पीछे वाले भाग को छेँच कहते हैं।



शृंग पुच्छ (Crag and tail)

भौंड़ पीठ शैल या राश मुद्यौने (roche moutonnée)

हिमानीकृत क्षेत्रों में कुछ ऐसी हिम अपरदित शिलाएँ होती हैं जो कि दूर से देखने पर ऐसी प्रतीत होती हैं मानों कमल ऊँच वाली भेड़ें बंधी हों। सन् 1804 ई. में जी लालर महोदय ने इस प्रकार के टीलों को राश मुद्यौने नाम प्रदान किया। हिंदों में इसे भेड़ पीठ शैल या भौंड़ पीठ शैल कहते हैं। हिमनद जब आगे बढ़ता है तो उसके मार्ग में कभी-कभी बड़े-बड़े चट्टानों के टीले पाए जाते हैं। ये टीले हिमनद के मार्ग में अवरोध उत्पन्न करने का प्रयास करते हैं। परन्तु हिमनद अपने अपघर्षण द्वारा इन टीलों को अपरदित करके अपना मार्ग बना लेता है। इन टीलों पर जिस ओर से हिमनद बढ़ते हैं, उस ओर हिमनद के अपघर्षण (abrasion) द्वारा टीले का भाग घर्षित होकर चिकना तथा हल्के ढाल वाला हो जाता है। तीव्र ढाल







Horn



Arete



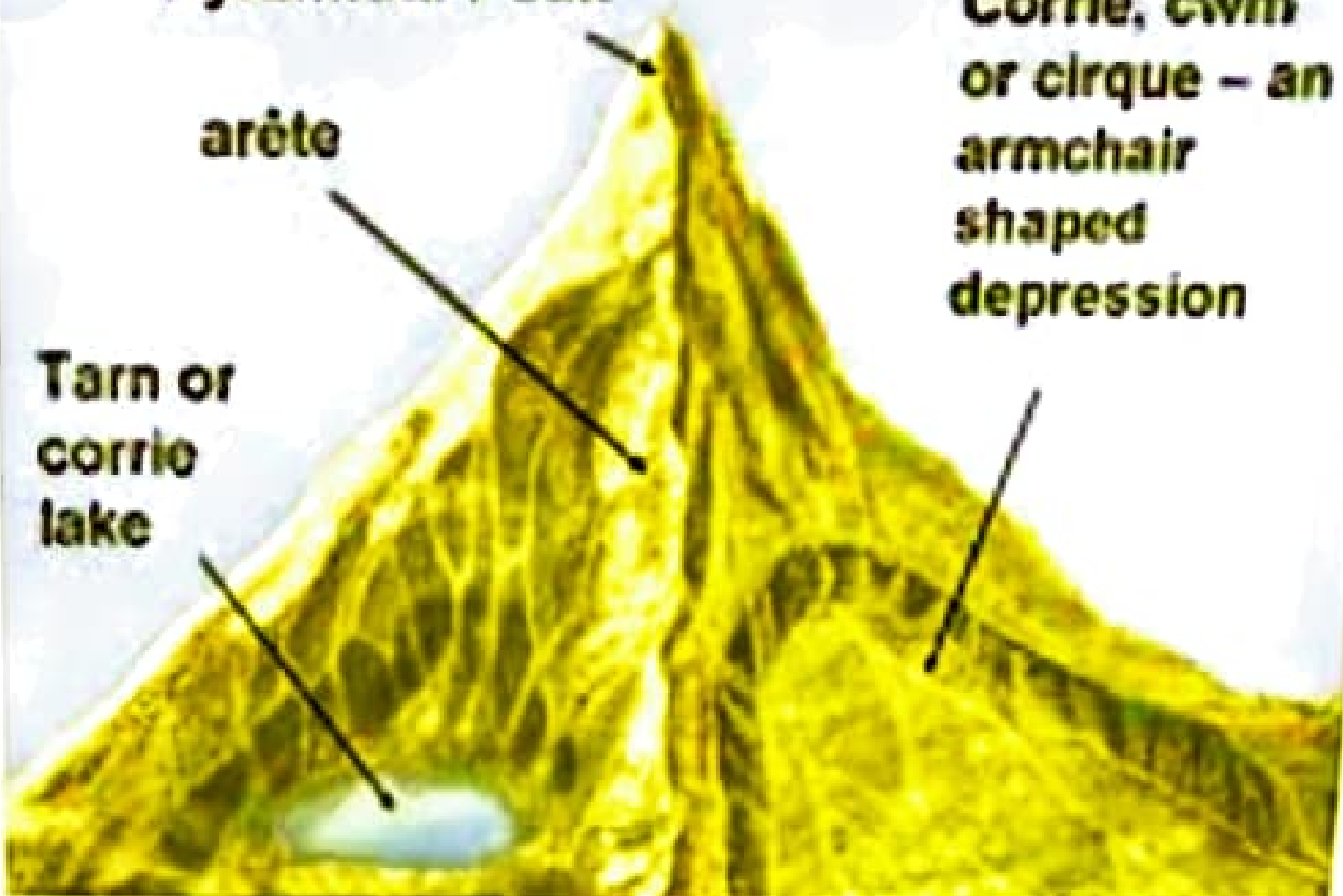


Pyramidal Peak

arête

Tarn or corrie lake

Corrie, cwm or cirque – an armchair shaped depression



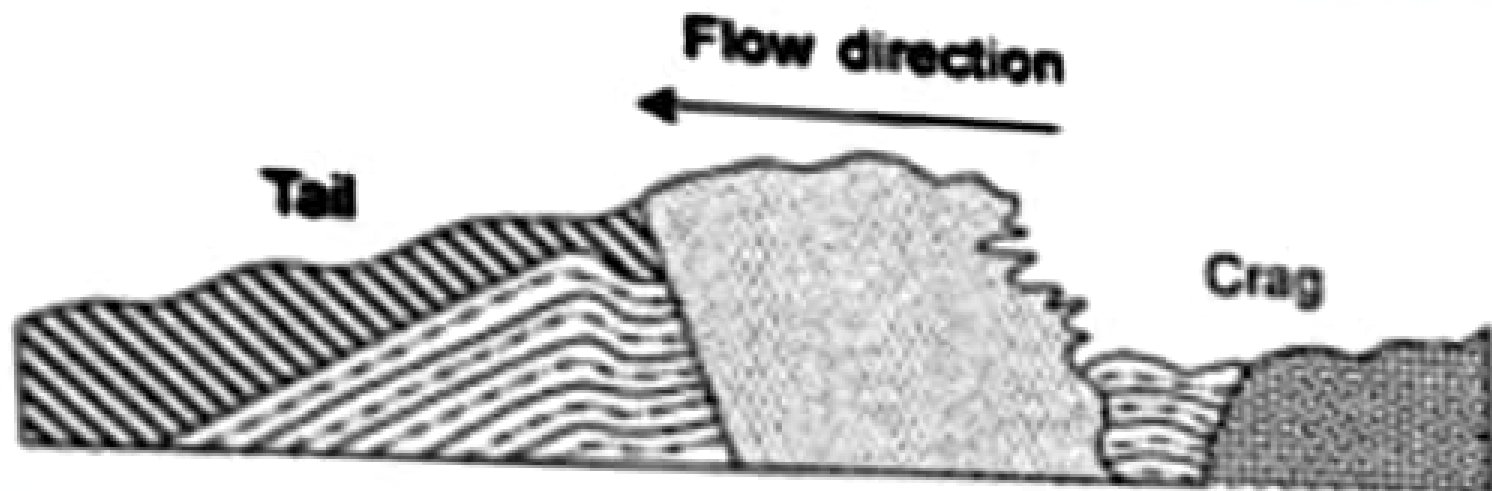




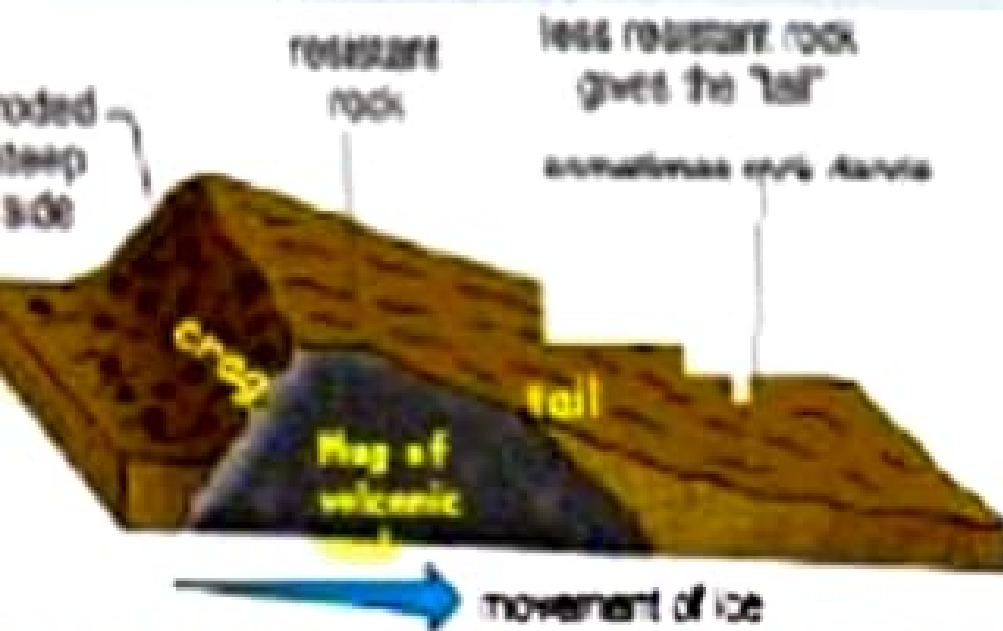




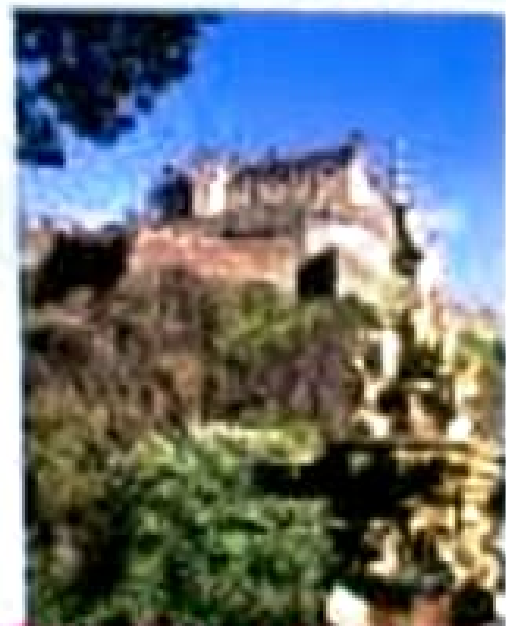
CRAG AND TAIL



A crag and tail



Edinburgh Castle



These are partly erosional, partly depositional features.

The rock face facing the ice is steepened by glacial erosion. Softer rock on the other slope is protected from erosion to form a tail of boulder clay.

ice flow



stoss

lee



Glacier ice



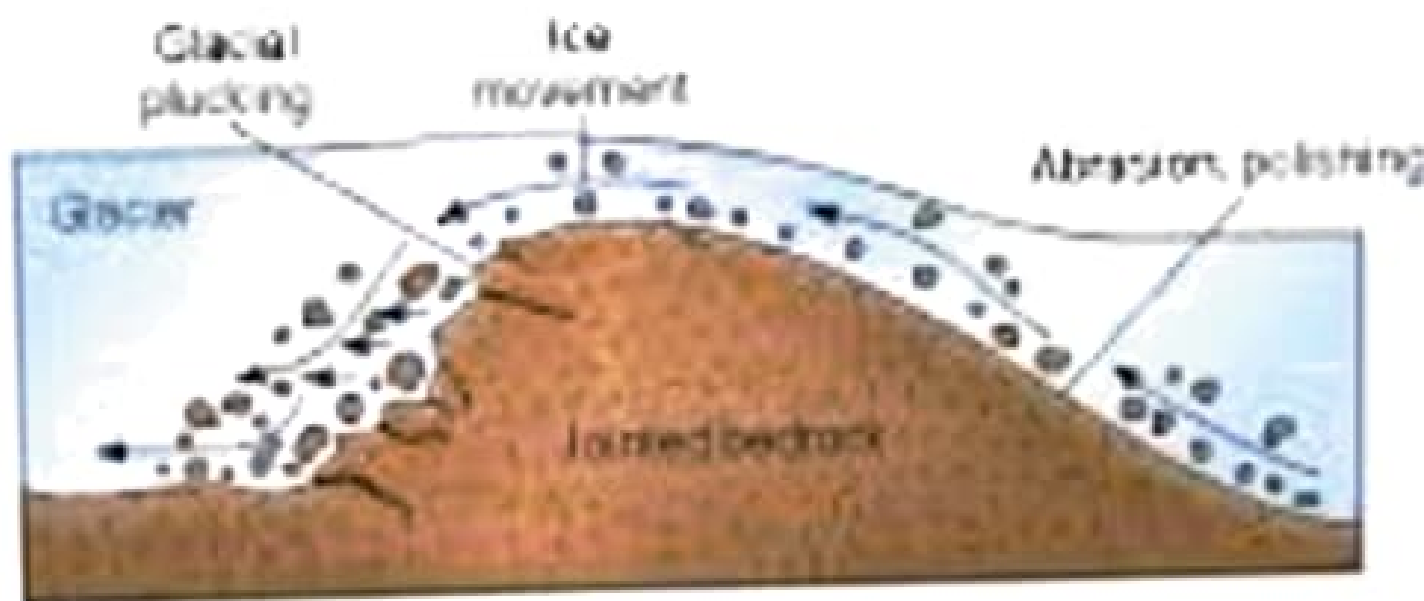
**Direction
of the ice.**

**Roche
moutonnée**

A diagram showing a cross-section of a glacier. The glacier is represented by a grey area with a top surface and a bottom surface. The bottom surface is uneven, with a prominent, rounded, and slightly flattened rock formation in the center. This rock formation is labeled 'Roche moutonnée'. The glacier is shown moving from right to left, as indicated by a red arrow above it. The rock formation is positioned such that it is being pushed and smoothed by the moving ice. The top surface of the glacier is relatively flat, while the bottom surface shows the characteristic shape of a roche moutonnée, which is a rock formation that has been smoothed and flattened by the movement of a glacier.



(b)



(c)